

प्रवासीअध्ययनमेंअनुसूचितजाति/ अनुसूचितजनजातिकेछात्रोंकीसहायताकेलिए कर्नाटकप्रबुद्धयोजना

प्रवासीअध्ययनमेंअनुसूचितजाति/

अनुसूचितजनजातिकेछात्रोंकीसहायताकेलिएकर्नाटकप्रबुद्धयोजनाकर्नाटकसरकार।विदेशमेंअध्ययनकरनेकेलिएअनुसूचितजाति(एससी) औरअनुसूचितजनजाति(एसटी)समुदायोंकेछात्रोंकीमददकरनेकेलिएप्रबुद्धयोजनाशुरूकी।प्रभुदायोजनाउसछात्रकेपाठ्यक्रमकीफीस,

आवासऔरबोर्डिंगव्ययऔरउसदेशमेंहवाईयात्राकरनेजारहीहैजिसमेंछात्रअपनीपढ़ाईकरतेहैं।इसकेअलावा, महिलाउम्मीदवारोंकेलिए 33% आरक्षणऔरप्रतिवर्षअलग-

अलगविकलांगछात्रोंकेलिए 4% आरक्षणहै।अनुसूचितजाति/

अनुसूचितजनजातिकेछात्रअबअपनेस्नातक,

स्नातकोत्तरऔरपीएचडीकार्यक्रमोंकोअंतरराष्ट्रीयविश्वविद्यालयोंमेंबहुतकमयाबिनाकीसीलागतकेआगेबढ़ासकतेहैं।राज्यसरकार।रुपयेकावार्षिकबजटनिर्धारितकियाहै।इसयो

जनाकेलिए 120 करोड़। SC / ST समुदायोंकेलगभग 400

छात्रोंकोइसशैक्षणिकवर्षमेंविदेशमेंअध्ययनकरनेकाअवसरमिलेगा। SC / ST

छात्रोंकेलिएकर्नाटकप्रबुद्धयोजनाएससी /

एसटीसमुदायोंकोअबप्रबुद्धयोजनाकेमाध्यमसेदुनियाकेसर्वश्रेष्ठविश्वविद्यालयोंमेंप्रवेशमिलेगा।समाजकल्याणविभागप्रभुदायोजनाकेकार्यान्वयनकाप्रबंधनकरेगा।यहयोज

नाट्यूशनफीस, यात्राऔरआवासखर्चकोकवरकरेगीऔरमहिलाओंकेलिए 33%

आरक्षणऔरविकलांगउम्मीदवारोंकेलिए 4%

आरक्षण है। प्रबुद्ध योजना के तहत लाभ लेने के इच्छुक छात्रों को ऑनलाइन आवेदन करना होगा।
आवेदन 15 दिसंबर से

100% शिक्षा खर्च उन छात्रों के लिए जिनकी वार्षिक पारिवारिक आय रु। से कम है। 8 लाख। उन छात्रों के खर्च का 50% जिनकी वार्षिक पारिवारिक आय रुपये के बीच है। 8 लाख से रु। 15 लाख। जिन छात्रों की वार्षिक आय 15 लाख रुपये से अधिक है, उनके खर्च का 33%। यह योजना उन छात्रों को शामिल करने जा रही है जिन्हें स्नातक कार्यक्रमों का अध्ययन करने के लिए विदेशी विश्वविद्यालयों में चुना गया है। इसमें इंजीनियरिंग, बुनियादी विज्ञान, कृषि विज्ञान, सामाजिक विज्ञान, वाणिज्य, अर्थशास्त्र, मनोविज्ञान, कानून, ललित कला और अन्य शामिल हैं। राज्य सरकार। रुपये की लागत से कम से कम 400 छात्रों (यूजी पाठ्यक्रमों के लिए 250 और पीजी पाठ्यक्रमों के लिए 150) को सालाना धन राशि देगा। 120 करोड़ रु। SC / ST छात्र जिन्होंने ग्रेजुएट रिकॉर्ड परीक्षा (GRE), ग्रेजुएट मैनेजमेंट एडमिशन टेस्ट (GMAT), स्कोलास्टिक एप्टीट्यूड / असेसमेंट टेस्ट (SAT) और अन्य योग्यता परीक्षाओं को मंजूरी दी है, वे प्रबुद्ध योजना के लिए पात्र हैं। प्रभुदा योजना की पृष्ठभूमि हालांकि 2001 के बाद से SC / ST छात्रों के लिए विदेश में अध्ययन करने के लिए वित्तपोषण किया गया था, केवल 287 छात्रों ने 2018 तक लाभ प्राप्त किया है। ऐसा इसलिए है क्योंकि GRE / GMAT / SAT जैसी योग्यता परीक्षाओं में 49% से 51% स्कोर वाले छात्रों को वित्तपोषित किया गया था। राज्य सरकार ने लगभग रु। खर्च किया था। प्रबुद्ध योजना के तहत अब तक 58 करोड़। यह एक अग्रणी कदम है और प्रभुदा योजना छात्रों को उदास वर्ग से अपने सपने को साकार करने में सक्षम बनाएगी। एससी / एसटी के लिए शिक्षा की पहलुं च धन की कमी और सामाजिक दबाव के कारण सीमित है। इस प्रबुद्ध योजना के साथ, सरकार। चाहता है कि अधिक छात्र योजना लाभ प्राप्त कर सकें और अपने स्वयं के जीवन के साथ-

साथ उन समुदायों को भी बेहतर बनाने में योगदान कर सकें,
जहां से वे पूरे राज्य में आते हैं। यह सुनिश्चित करने के लिए छात्रवृत्ति धन राशि समान रूप से वितरित की जाएगी। कियह योजना सभी आवेदकों के लिए निष्पक्ष और पारदर्शी बनी रहे। एक छात्र केवल 1 समय के लिए योजना के लिए आवेदन करने के लिए पात्र है, चाहे वह यूजी, पीजी या पीएचडी पाठ्यक्रमों के लिए हो। एकल परिवार से, अधिकतम 2 छात्र छात्रवृत्तियों के लिए आवेदन कर सकते हैं। इस योजना से डॉ।बी।आर।के सपने को साकार किया जा सकेगा। प्रबुद्ध भारत, प्रबुद्ध भारत के अम्बेडकर और छात्रों को समाज की भलाई के लिए अपने क्षितिज को व्यापक बनाने में सक्षम बनाएंगे।